

Daily Current Affairs

Date : 28 November, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राज्यपाल निधि से खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता
2.	डेजर्ट में डायना: 'काजरी' में हुआ उत्पादन
3.	राजस्थान की तनिषा बेस्ट पैराटूपर
4.	जमाबंदी को आधार (जन आधार) से जोड़ने के लिए पायलट प्रोजेक्ट
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. सिल्वर ऐलीफेंट अवॉर्ड 2. 'सहकार गैलेरी' का उद्घाटन
6.	मंगल ग्रह पर क्रेटर का नाम भारतीय भूविज्ञानी के नाम पर
7.	ऑपरेशन पवन
8.	सोशल मीडिया प्रतिबंध: ऑस्ट्रेलिया
9.	फिन्स वीवर (Finn's Weaver)
10.	जियांगमेन भूमिगत न्यूट्रिनो वेधशाला (JUNO)
11.	राष्ट्रपति संदर्भ (Presidential Reference) - सुप्रीम कोर्ट की राय
12.	ON कोर्ट
13.	अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान
14.	राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC)
15.	2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी

--:1:--



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR



राजस्थान परिदृश्य



राज्यपाल निधि से खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता



चर्चा में क्यों?

- 'तृतीय राष्ट्रीय लेक्रोस' प्रतियोगिता में पिछले वर्ष राजस्थान को मिले थे 5 स्वर्ण पदक'- ओलम्पिक खेल 'लेक्रोस' के लिए राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने अपने विवेकाधीन निधि से राज्य के खिलाड़ियों के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए 10.20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। यह राशि उन्होंने ओलम्पिक खेल 'लेक्रोस' के जम्मू में आगामी 5 से 7 दिसम्बर को हो रहे द्वितीय फेडरेशन कप में भाग ले रहे खिलाड़ियों के लिए प्रदान की गई है।



मुख्य बिन्दु:

- राज्यपाल विवेकाधीन निधि से 10.20 लाख रुपये की सहायता उदयपुर संभाग के 28 महिला पुरुष खिलाड़ियों को दी गई है, जो 5-7 दिसम्बर को जम्मू में होने वाले द्वितीय फेडरेशन कप लेक्रोस में भाग ले रहे हैं।
- **उद्देश्य:** खिलाड़ियों के यात्रा, किट, प्रशिक्षण आदि व्ययों में मदद देकर राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करना।
- लेक्रोस के 2028 लॉस एंजिल्स ओलम्पिक में शामिल होने पर राज्यपाल ने खिलाड़ियों से अभी से सभी वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की तैयारी करने का आह्वान किया है, जिससे राजस्थान को ओलम्पिक पदकों की दौड़ में आगे रखा जा सके।

डेजर्ट में डायना: 'काजरी' में हुआ उत्पादन

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) की ओर से कोरोनाकाल में अंजीर की खेती पर किए गए प्रयोग चार साल बाद सफल हो गए हैं।



मुख्य बिन्दु:

- काजरी में अंजीर का इस साल अच्छा उत्पादन हुआ है।
- काजरी ने वर्ष 2021 में हैदराबाद से अंजीर की डायना वैरायटी के करीब 300 पौधे मंगाकर टिशू कल्चर तकनीक से लगाए।
- यह किस्म कम पानी में भी अच्छी तरह विकसित होती है। वैज्ञानिक प्रबंधन जारी रहा तो आने वाले वर्षों में थार के 50 हजार हेक्टेयर में अंजीर के बाग तैयार हो सकते हैं।
- डायना वैरायटी तुर्की से प्रेरित मॉडल है, जहां अंजीर की सबसे बड़ी फसल होती है। पौधों को 6 गुणा 6 मीटर की दूरी पर लगाने व ड्रिप इरिगेशन से 70% पानी की बचत संभव है।

राजस्थान की तनिषा बेस्ट पैराट्रूपर

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान की एनसीसी कैडेट तनिषा राजपुरोहित ने आर्मी एयरबोर्न ट्रेनिंग स्कूल, आगरा में 3 से 25 नवंबर को आयोजित पैराट्रूपिंग के पैरा बेसिक कोर्स में ऑल इंडिया सीनियर विंग कैडेट्स में बेस्ट पैराट्रूपर अवॉर्ड जीता।



मुख्य बिन्दु:

- यह कोर्स एनसीसी के सबसे चुनौतीपूर्ण एडवेंचर प्रशिक्षणों में माना जाता है, जिसमें 1250 फीट की ऊँचाई से एएन 32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से पैराशूट जंप शामिल है।
- राजस्थान निदेशालय से 4 कैडेट्स चयनित हुए:
 - जयपुर ग्रुप - कैडेट भूमिका सैनी (सीनियर विंग)
 - उदयपुर - कैडेट तनिषा राजपुरोहित (सीनियर विंग)
 - कोटा - सीनियर अंडर ऑफिसर महेंद्र सिंह शक्तावत
 - जोधपुर - अंडर ऑफिसर कृष्णा कंवर राठौड़

जमाबंदी को आधार (जन आधार) से जोड़ने के लिए पायलट प्रोजेक्ट

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार ने जमाबंदी को आधार (जन आधार) से जोड़ने के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है, ताकि भूमि से जुड़ी हर लेनदेन पर किसान के मोबाइल पर तुरंत मैसेज आए और फर्जीवाड़ा रोका जा सके। अजमेर जिले की अराई तहसील के अर्जुनपुरा गांव और नागौर जिले के एक गाँव को पायलट के लिए चुना गया है; सफलता के बाद इसे पूरे संभाग और फिर राज्य भर में लागू करने की योजना है।



मुख्य बिन्दु:

- जमाबंदी-आधार (जन आधार) सीडिंग मॉड्यूल, फार्मर रजिस्ट्री आईडी और DCS गिरदावरी डेटा के इंटीग्रेशन के लिए प्रूफ ऑफ कंसेप्ट (PoC) किया जाएगा; तकनीकी कार्यान्वयन NIC के सहयोग से होगा।

Daily Current Affairs



Date : 28 November, 2025



- जो भी खरीद फरोख्त, बंधक, नामांतरण आदि जैसी जमीन से जुड़ी कार्रवाई रजिस्ट्रार/राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज होगी, उसकी सूचना किसान के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर SMS से आएगी; इससे फर्जी बिक्री, डुप्लीकेट रजिस्ट्री और धोखाधड़ी पर अंकुश लगेगा।
- जिन खातों की जमाबंदी जन आधार/आधार से लिंक होगी, उन्हीं पर आधारित फार्मर रजिस्ट्री और 11 अंकों की यूनिक Farmer ID बनेगी; भविष्य में PM Kisan, फसल बीमा, KCC, सब्सिडी और MSP जैसी योजनाओं का लाभ इसी आईडी के आधार पर मिलेगा।
- राज्य में लगभग 80 लाख किसानों की फार्मर रजिस्ट्री हो चुकी है और उन्हें यूनिक आईडी जारी की जा रही है
- PM Kisan योजना के तहत राजस्थान के लगभग 90 लाख किसानों में से लगभग 88-89% का नामांकन पूरा हो चुका है, और आगे लाभ वितरण में भी फार्मर आईडी/जमाबंदी लिंक डेटा का उपयोग बढ़ेगा।

--6--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

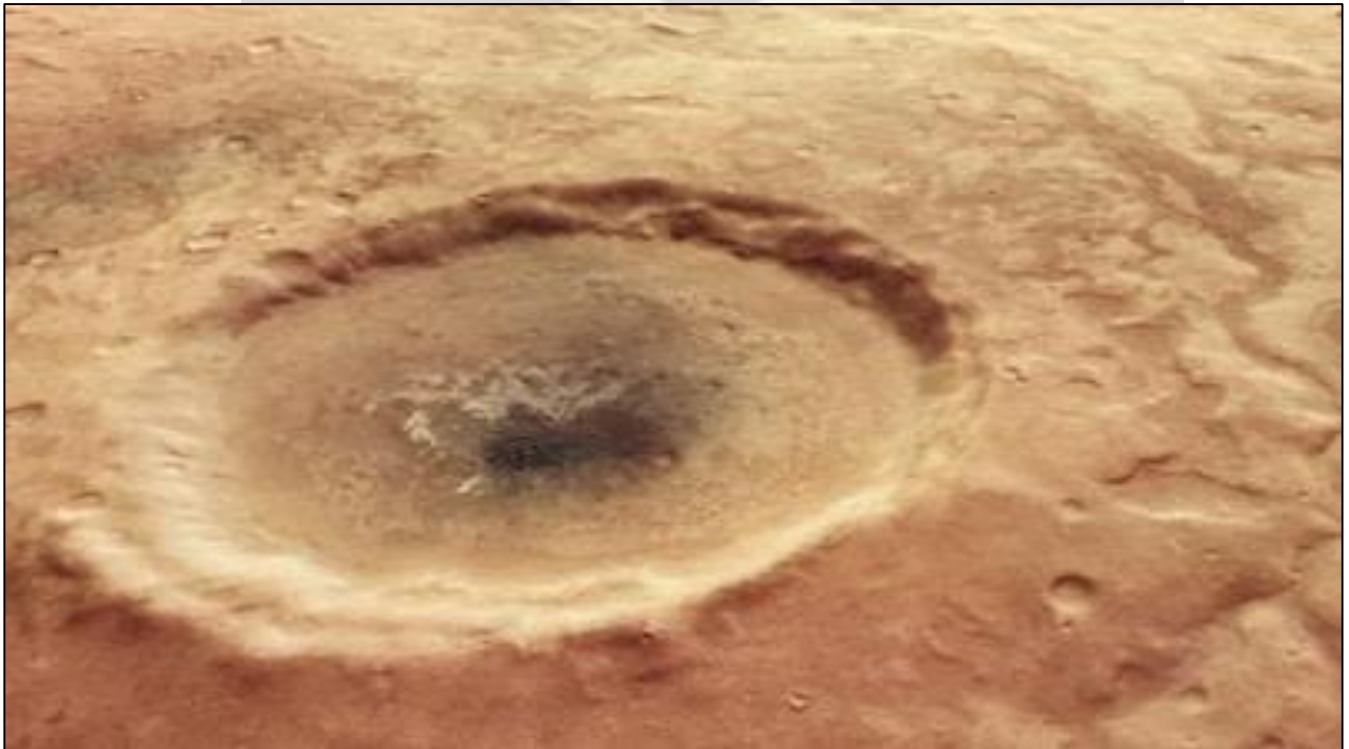
क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>सिल्वर ऐलीफेंट अवॉर्ड</p> <ul style="list-style-type: none">लखनऊ स्थित राजभवन में आयोजित एक समारोह में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य आयुक्त अधिवक्ता डॉ. अखिल शुक्ला और वर्तमान उदयपुर कलक्टर श्री नमित मेहता को सिल्वर ऐलीफेंट अवॉर्ड दिया गया।रक्तदान जागरूकता अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए राजस्थान वॉलंटरी ब्लड डोनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. शुक्ला को भारत स्काउट व गाइड की ओर से यह सम्मान दिया गया।नमित मेहता को वर्ष 2022-23 में पाली कलक्टर रहते राष्ट्रीय जम्बूरी में उत्कृष्ट नेतृत्व और प्रबंधन के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। लखनऊ में भारत स्काउट व गाइड की ओर से जम्बूरी का आयोजन हो रहा है। 
2.	<p>'सहकार गैलेरी' का उद्घाटन</p> <ul style="list-style-type: none">यह सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक ने राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंधन संस्थान (राइसेम) परिसर, जयपुर में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत स्थापित की गई।थीम : 'सहकार से समृद्धि'सहकारिता विभाग द्वारा एनसीसीएफ के सहयोग से स्थापित की गई सहकार गैलेरी में 'राजस्थान के सहकारी आन्दोलन' की यात्रा को प्रदर्शित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत आयोजित की गई प्रमुख गतिविधियों के छायाचित्रों को भी आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया है। 

राष्ट्रीय परिदृश्य

मंगल ग्रह पर क्रेटर का नाम भारतीय भूविज्ञानी के नाम पर

चर्चा में क्यों?

- मंगल ग्रह पर 3.5 अरब वर्ष पुराना गड्ढा अग्रणी भारतीय भूविज्ञानी एम.एस. कृष्णन के नाम पर जाना जाएगा ।



मुख्य बिन्दु:

- कृष्णन के अलावा, अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ (IAU) ने क्रेटर से जुड़े छोटे भू-आकृतियों के लिए केरल आधारित कई नामों को भी स्वीकार किया है।
- **अन्य नाम:** वलियामाला, थुम्बा, बेकल, वर्कला और पेरियार छोटे क्रेटर और एक वलिस (घाटी) के लिए।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

ऑपरेशन पवन

चर्चा में क्यों?

- थल सेनाध्यक्ष (सीओएस) जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने श्रीलंका में ऑपरेशन पवन (1987-1990) के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की है।



मुख्य बिन्दु:

- ऑपरेशन पवन 1987 में भारत-श्रीलंका समझौते पर हस्ताक्षर के बाद राजीव गाँधी सरकार द्वारा शुरू किया गया था।
- भारत ने श्रीलंका में अल्पसंख्यक तमिल आबादी और सिंहली बहुमत वाली सरकार के बीच चल रहे गृहयुद्ध के दौरान भारतीय शांति सेना (आईपीकेएफ) को वहाँ तैनात किया था।

सोशल मीडिया प्रतिबंध: ऑस्ट्रेलिया

चर्चा में क्यों?

- ऑस्ट्रेलिया 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लगाने वाला पहला देश बनेगा।



मुख्य बिन्दु:

- 10 दिसंबर, 2025 से सोशल मीडिया कंपनियों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि को अपने प्लेटफॉर्म से 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के अकाउंट्स हटाने होंगे।
- ऐसा नहीं करने पर इन कंपनियों पर 50 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाया जा सकता है

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

फिन्स वीवर (Finn's Weaver)

चर्चा में क्यों?

- फिन्स वीवर प्रजाति तराई के दलदली निचले इलाकों से गायब हो रही है। यह क्षेत्र इस पक्षी प्रजाति का आखिरी बचा हुआ मुख्य पर्यावास है।



मुख्य बिन्दु:

फिन्स वीवर

- **पर्यावास:** फिन्स वीवर (प्लोसियस मेगारिन्चस) घासभूमि और आर्द्रभूमि में दिखने वाला पक्षी है। यह मुख्य रूप से भारत और नेपाल के तराई क्षेत्रों में पाया जाता है।
- **उपनाम:** इसे येलो वीवर और हिमालयन वीवर भी कहा जाता है। उत्तराखंड में इसे पहाड़ी बय्या के नाम से जाना जाता है।
- **IUCN रेड लिस्ट स्थिति:** एंडेंजर्ड

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी ⚠

जियांगमेन भूमिगत न्यूट्रिनो वेधशाला (JUNO)

📢 चर्चा में क्यों?

- चीन ने अपनी जियांगमेन भूमिगत न्यूट्रिनो वेधशाला (जूनो) का निर्माण पूरा कर लिया है।



📌 मुख्य बिन्दु:

- यह दुनिया का सबसे बड़ा भूमिगत न्यूट्रिनो डिटेक्टर है, जिसे न्यूट्रिनो नामक मायावी "भूत कणों" का अभूतपूर्व सटीकता के साथ अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **उद्देश्य:** न्यूट्रिनो ऑसिलेशन (न्यूट्रिनो के बदलते रूप) का अध्ययन करना और न्यूट्रिनो के द्रव्यमान क्रम (न्यूट्रिनो मास ऑर्डरिंग) को समझना है।

राजव्यवस्था

राष्ट्रपति संदर्भ (Presidential Reference) - सुप्रीम कोर्ट की राय

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मई, 2025 में संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से 14 प्रश्नों पर राय माँगी थी। यह संदर्भ तमिलनाडु राज्यपाल मामले (8 अप्रैल, 2025) के बाद आया, जिसमें अदालत ने 'Deemed Assent' का सिद्धांत लागू किया था।



मुख्य बिन्दु:

- सुप्रीम कोर्ट की पाँच-न्यायाधीशों की पीठ (मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पी.एस. नरसिम्हा और ए.एस. चंदुरकर) ने 111 पृष्ठों में न्यायालय की राय को राष्ट्रपति के सामने रखा।

राष्ट्रपति द्वारा पूछे गए 14 प्रश्न :-

1. अनुच्छेद 200, राज्यपाल के विकल्प : स्वीकृति देना, राष्ट्रपति के विचार हेतु सुरक्षित करना या विधायिका को लौटाना।
2. मंत्रिपरिषद की सलाह : क्या राज्यपाल विधेयक पर निर्णय लेते समय मंत्रिपरिषद की सलाह के लिए बाध्य हैं?
3. राज्यपाल का विवेक : क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल का विवेक न्यायिक समीक्षा योग्य है?
4. अनुच्छेद 361 और न्यायिक समीक्षा : क्या अनुच्छेद 361 राज्यपाल के कार्यों पर न्यायिक समीक्षा को पूर्णतः रोकता है?
5. समय-सीमा लागू करना : क्या न्यायालय अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की शक्तियों पर समय-सीमा लागू कर सकता है?
6. अनुच्छेद 201, राष्ट्रपति का विवेक : क्या राष्ट्रपति का विवेक न्यायिक समीक्षा योग्य है?
7. राष्ट्रपति पर समय-सीमा : क्या न्यायालय अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति पर समय-सीमा लागू कर सकता है?
8. सुप्रीम कोर्ट से अनिवार्य सलाह : क्या राष्ट्रपति को हर बार विधेयक आरक्षित होने पर सुप्रीम कोर्ट से राय लेना आवश्यक है?
9. कानून बनने से पहले न्यायिक समीक्षा : क्या विधेयक कानून बनने से पहले राज्यपाल/राष्ट्रपति के निर्णयों की समीक्षा संभव है?
10. अनुच्छेद 142 के तहत प्रतिस्थापन : क्या राष्ट्रपति/राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों को अनुच्छेद 142 से प्रतिस्थापित किया जा सकता है?
11. राज्यपाल की स्वीकृति के बिना कानून : क्या राज्य विधानमंडल का कानून राज्यपाल की स्वीकृति के बिना लागू हो सकता है?

Daily Current Affairs

Date : 28 November, 2025



12. अनुच्छेद 145(3), बड़ी पीठ को रेफरल : क्या संविधान की व्याख्या वाले प्रश्नों को अनिवार्य रूप से पाँच न्यायाधीशों की पीठ को भेजना चाहिए?
13. अनुच्छेद 142 की शक्तियों का दायरा : क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत ऐसे आदेश दे सकता है जो संविधान/कानून से असंगत हों?
14. अनुच्छेद 131, संघ-राज्य विवाद : क्या संघ-राज्य विवाद केवल अनुच्छेद 131 के तहत मुकदमे द्वारा ही सुलझाए जा सकते हैं?



--:15:--

ON कोर्ट

चर्चा में क्यों?

- केरल उच्च न्यायालय द्वारा केरल के कोल्लम जिले में देश की पहली 24x7 खुली और नेटवर्क वाली (ON) अदालत की स्थापना को एक वर्ष बीत चुका है।



मुख्य बिन्दु:

- ON कोर्ट दिन के किसी भी समय मामले दायर करने की अनुमति देती है।
- ON कोर्ट पूरी तरह से ऑनलाइन कार्य करती है। इससे वकीलों और वादियों के लिए ई-फाइलिंग, डिजिटल रूप से दस्तावेज सत्यापन, SMS/ईमेल समन, आभासी सुनवाई तथा रियल-टाइम अपडेट की सुविधा मिलती है।
- महत्त्व:** ON कोर्ट लगभग 140 दिनों में मामलों का निपटारा करती है। वहीं भौतिक अदालतों में ऐसे मामलों में वर्षों लग जाते हैं। ON कोर्ट अवधारणा से दक्षता में सुधार होता है, कागजी कार्रवाई कम होती है और न्याय तक पहुँच बढ़ती है।

अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान

चर्चा में क्यों?

- मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार वर्ष 2026 के लिए अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन सहायता संस्थान (इंटरनेशनल आईडीईए) की अध्यक्षता संभालने जा रहे हैं।



मुख्य बिन्दु:

- स्थापना:** वर्ष 1995, यह एक अंतर-सरकारी संगठन है।
- यह विश्व भर में लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए काम करता है।
- वर्तमान सदस्य:** 35 सदस्य देश, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान पर्यवेक्षक।
- भारत अंतरराष्ट्रीय आईडिया का संस्थापक सदस्य है।

राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई है, जिसमें उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति की वर्तमान कॉलेजियम प्रणाली को चुनौती दी गई है। इस याचिका में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को फिर से बहाल करने की माँग की गई है।



मुख्य बिन्दु:

NJAC अधिनियम, 2014

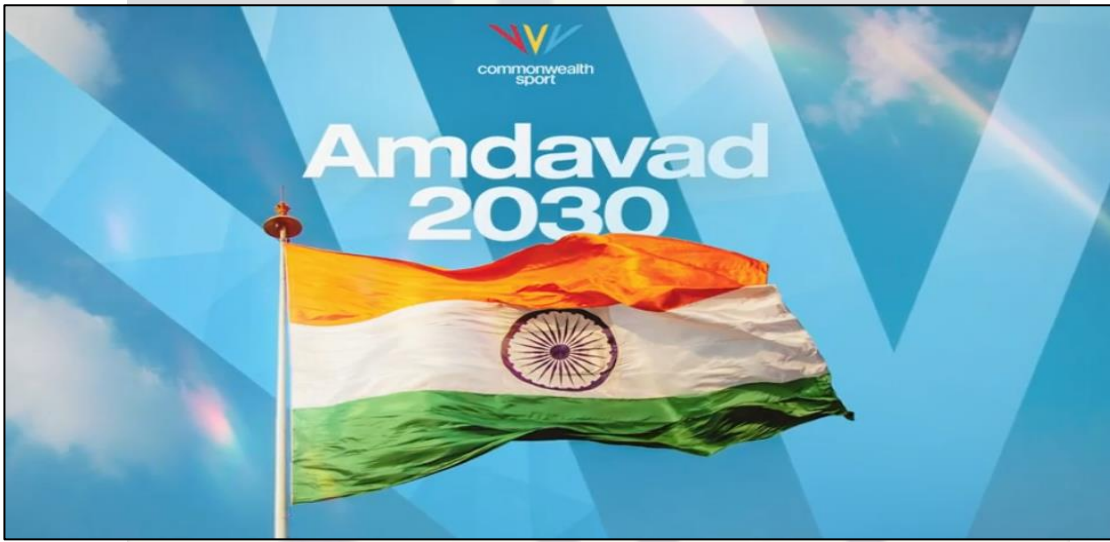
- संविधान में संशोधन:** 99वें संविधान संशोधन द्वारा उच्चतर न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम प्रणाली की जगह राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन का प्रावधान किया गया था।
- संरचना:** न्यायाधीशों की नियुक्तियों की सिफारिश छह सदस्यीय NJAC द्वारा की जानी थी।
- आयोग के सदस्य:** भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI), उच्चतम न्यायालय के दो वरिष्ठतम न्यायाधीश, केंद्रीय विधि मंत्री, तथा दो प्रख्यात व्यक्ति।
- न्यायिक निर्णय:** फोर्थ जजेस केस (2015) में NJAC को न्यायपालिका की स्वतंत्रता जैसे संविधान के मूल ढाँचे के उल्लंघन के आधार पर रद्द कर दिया गया।



कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 - अहमदाबाद

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, अहमदाबाद शहर को वर्ष 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली।



मुख्य बिन्दु:

- घोषणा:** ग्लासगो, स्कॉटलैंड में कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में।
- भारतीय राष्ट्रमंडल खेल संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।
- वर्ष 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स का शताब्दी संस्करण होगा। (प्रथम संस्करण : वर्ष 1930 हैमिल्टन, कनाडा)
- इससे पूर्व भारत ने पहली बार वर्ष 2010 में (नई दिल्ली) कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की थी।
- वर्ष 2010 दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रदर्शन : 38 स्वर्ण सहित कुल 101 पदक और पदक तालिका में दूसरा स्थान।
- राष्ट्रमंडल, 54 संप्रभु देशों का एक स्वैच्छिक संघ है, जिनमें से अधिकांश ब्रिटिश साम्राज्य के पूर्व उपनिवेश थे।